निर्यात में वृद्धि के लिए हर जिले में ओवरसीज ट्रेड प्रमोशन सेंटर

अमर उजाला ब्यूरो

निर्यात में 400 करोड़ रुपये की होगी वृद्धि, लगभग 4,000 लोगों को मिलेगा रोजगार

लखनऊ। प्रदेश के प्रत्येक जिले को निर्यात हब बनाने के लिए ओवरसीज ट्रेड प्रमोशन एंड फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित होगा। इन सेंटरों के बीच समन्वय के लिए एक केंद्रीय फैसिलिटेशन सेंटर की भी स्थापना की जाएगी। इससे निर्यात में लगभग 400 करोड़ रुपये की वृद्धि होगी और 4000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इस योजना के लिए पांच करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था की जाएगी। यह जानकारी अपर मुख्य सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम डॉ. नवनीत सहगल ने दी।

उन्होंने बताया कि ओवरसीज ट्रेड प्रमोशन एंड फैसिलिटेशन सेंटरों के संचालन से अधिक निर्यात वाले 25 जिले से निर्यात में 250 करोड़ रुपये की वृद्धि का अनुमान है। इससे ढाई हजार लोगों को रोजगार का सृजन होगा। इसी तरह अपेक्षाकृत कम निर्यात वाले 25 जिलों से 125 करोड़ रुपये के निर्यात में वृद्धि होगी और 1,250 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा अन्य शेष जिलों से 25 करोड़ के निर्यात में वृद्धि होगी और 250 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

साथ ही उन्होंने बताया कि उत्पादों की ई-मार्केटिंग के लिए हैंड होल्डिंग मदद भी दी जाएगी। निर्यात शुरू करने के लिए इकाइयों को कंपनी बनाने और बैंक खाता खालने और बायर-सेलर मीट में हिस्सा लेने में भी मदद की जाएगी।

दो स्तरों पर स्थापित होंगे सेंटर

सहगल ने बताया कि ओवरसीज ट्रेड प्रमोशन व फैसिलिटेशन सेंटर दो स्तर पर स्थापित किए जाएंगे। जिला स्तर पर जिला प्रोत्साहन केंद्रों में इसकी स्थापना होगी। जिलास्तरीय सेंटरों से समन्वय के लिए केंद्रीय फैसिलिटेशन सेंटर लखनऊ के कैसरबाग स्थित उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन परिषद कार्यालय में स्थापित किया जाएगा। प्रदेश में एक ट्रेड फैसिलिटेशन कमिश्नर की नियुक्ति की गई है। जिला एक्सपोर्ट एक्शन प्लान तैयार कराए जा रहे हैं। इसके अलावा हर जिले में एक्सपोर्ट डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना का कार्य भी प्रक्रिया के अधीन है।